—: 1857 की क्रान्ति :—

कारण :→

1. राजनीतिक कारण →

→ मुगल सम्राट का अपमान

→ वैलेजली की सहायक संधि

→ डलहौजी की हड़प नीति →

– डलहौजी ने गोद निषेध सिद्धान्त लागू किया जिसके तहत इन रियासतो का विलय हुआ –

1848 में सतारा
1849 में जैतपुर व सम्बलपुर
1850 में बगाट
1852 में उदयपुर
1853 में झाँसी
1854 में नागपुर

– 1856 में कुशासन का आरोप लगाकर 'अवध' का विलय किया।

– डलहौजी ने नाना साहब (धोंधूपंत) की पेंशन बंद कर दी। नाना साहब पेशवा बाजीराव II का दत्तक पुत्र था।

– डलहौजी ने 'ईनाम कमीशन' का गठन कर 20,000 से अधिक जागीरे जब्त की।

– भारतीयो को उच्च पदो से वंचित रखा।

2. आर्थिक कारण →

→ भारतीय उद्योगो को नष्ट करने की ब्रिटीश नीति।

→ भूमि सुधार के नाम पर शोषण।

HC Choudhary - Mobile Apps
Scanned by CamScanner

3. सामाजिक व धार्मिक कारण →
→ सती प्रथा, कन्या वध तथा बाल विवाह का निषेध
→ भारतीयो के साथ अपमानजनक व्यवहार
→ 1813 के चार्टर एक्ट के दौरान ईसाई मिशनरियो को धर्म प्रचार की अनुमति
→ 1850 का धार्मिक निर्योग्यता अधिनियम

4. सैनिक कारण →
→ भारतीय सैनिको का कम वेतन
→ 1854 के डाकघर अधिनियम के द्वारा सैनिको को निशुल्क डाक व्यवस्था का अंत
→ सेना में समुद्रपार सेवा की अनिवार्यता करना।

5. तात्कालिक कारण →
→ 'ब्राउन बैस राइफल' के स्थान पर 'एनफिल्ड राइफल' लगाना जिसमे चर्बी वाले कारतूस का प्रयोग होता था।
→ क्रांति के समय भारत का गवर्नर जनरल लार्ड कैनिंग था।
→ विद्रोह की योजना लंदन मे नाना साहब के सलाहकार 'अजीमुल्ला खाँ' तथा सतारा के सलाहकार 'रंगोजी बापोजी, बापू जी' ने बनाई।
→ क्रान्ति के लिए 31 May 1857 का दिन चुना गया।
→ विद्रोह का प्रतीक → रोटी
→ कमल

Scanned by CamScanner

→ 29 March 1857 को 'मंगल पांडे' ने बैरकपुर छावनी में 'लेफ्टिनेंट बाग व ह्यूसन' को गोली मारी।

→ 10 May 1857 को मेरठ छावनी में विद्रोह हुआ।

→ 12 May को विद्रोहियों ने दिल्ली पर कब्जा करके बहादुरशाह जफर (मिर्जा अब्बु जफर सिराजुद्दीन) को क्रांति का नेता घोषित किया।

→ जनरल बख्त खाँ (खान बहादुर खाँ) को दिल्ली का सूबेदार नियुक्त किया गया। इसने 'रुहेलखण्ड (बरेली)' में बगावत की थी।

→ 1857 की क्रांति के समय 'मिर्जा गालिब' दिल्ली में थें।

→ दिल्ली अभियान में ब्रिटीश सेनापति 'हडसन व निकोलसन' थे।

→ 03 Sept. 1857 को अंग्रेजो ने दिल्ली पर पुनः अधिकार किया।

→ बहादुर शाह जफर को हुमायूँ के मकबरे से गिरफ्तार किया गया।

→ जफर को अंधा करके 'बेगम जीनत महल' के साथ 'रंगून' भेजा गया।

→ 1862 में रंगून में बहादुर शाह जफर की मृत्यु हुई।

→ जफर का मकबरा 'रंगून' में है।

⇒ लक्ष्मी बाई ⇒

→ अन्य नाम → मणिकर्णिका
→ मनु
→ छबीली
→ महल वरी

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

→ झाँसी के राजा गंगाधर राव के साथ विवाह के बाद नाम 'लक्ष्मी बाई' रखा गया।

→ लक्ष्मी बाई ने अपने दत्तक पुत्र दामोदर राव को झाँसी का राजा घोषित किया।

→ जून 1857 में लक्ष्मी बाई 'जनरल ह्यूरोज' से लड़ते हुई शहीद हुई।

– 'ह्यूरोज' ने लक्ष्मी बाई को 'अकेली मर्द' बताया।

→ लक्ष्मी बाई तथा तात्या टोपे की आर्थिक सहायता 'बीकानेर' के 'अमरचंद बाँठिया' ने की थी।

– इसने 'ग्वालियर' राजकोष का धन दिया।

– अमरचंद 1857 की क्रांति के समय फाँसी चढ़ने वाले प्रथम व्यक्ति हैं।

– अमरचंद को 1857 का भामाशाह कहा जाता है।

⇒ तात्याँ टोपे ⇒

→ मूल नाम → रामचंद्र पाँडुरंग

→ तात्याँ का अर्थ 'बड़ा भाई'

→ यह नाना साहब का सेनापति था।

→ यह अलीनगर के युद्ध में चार्ल्स स्नेपियर से पराजित होकर राजस्थान आया।

→ जन्म → 1814 में पटौदा (महाराष्ट्र)

→ इसे 1859 में शिवपुर (MP) में फाँसी दी गई।

Scanned by CamScanner

⇒ नाना साहब ⇒

→ मूल नाम → धोंधु पंत

→ नाना साहब बाजीराव II का दत्तक पुत्र था।

→ डलहौजी ने इनकी पेंशन बंद कर दी थी।

→ नाना साहब ने कानपुर में विद्रोह किया।

→ नाना साहब 'कैंपबेल' तथा 'हैवलॉक' से पराजित होकर नेपाल चले गए।

→ नाना साहब ने अपनी पेंशन वापस प्राप्त करने के लिए महारानी विक्टोरिया के पास अपने सलाहकार 'अजीमुल्ला खाँ' को वकील नियुक्त करके भेजा।

→ अजीमुल्ला खाँ ने फ्रांस, इटली, रूस में यात्रा करके क्रांति के लिए मदद माँगी।

⇒ बेगम हजरत महल ⇒

→ यह अवध के नवाब 'वाजीद अली शाह' की पत्नी थी।

→ डलहौजी ने जेम्स आउटर्म की रिपोर्ट के आधार पर वाजीद अली शाह को कलकत्ता निर्वासित कर अवध पर अधिकार किया

→ हजरत महल ने लखनऊ पर अधिकार कर अपने पुत्र 'विरजिस कादर (कद्र)' को अवध का वली घोषित किया।

→ बेगम हजरत महल 'कैंपबेल' से पराजित होकर नेपाल भाग गई।

→ नेपाल में 07 अप्रैल 1879 को बेगम हजरत महल की मृत्यु हुई।

H.C. Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

Page No.:
Date:
YOUVA

⇒ मौलवी अहमदुल्ला ⇒

→ फैजाबाद (UP) में शहर के काजी मौलवी अहमदुल्ला ने विद्रोह किया तथा अंग्रेजो के विरुद्ध 'जेहाद' का नारा दिया।

→ इन्हे 1857 का राष्ट्र संत कहा गया।

→ अंग्रेजो ने इनको जिंदा या मुर्दा पकड़ने के लिए 50,000/- का ईनाम रखा।

→ सूबेदार दिलीप सिंह (बंगाल रेजीमेंट) ने फैजाबाद जेल पर हमला करके मौलवी अहमदुल्ला को रिहा करवाया।

→ 1858 में "पुवाया" में लड़ते हुए 'मौलवी अहमदुल्ला' की मृत्यु हुई।

→ इनके युद्ध कौशल की तारीफ अंग्रेजो ने भी की थी।

→ जन्म मद्रास के चीनापट्टन मे हुआ।

⇒ कुँवर सिंह ⇒

→ यह 'जगदीशपुर (आरा, बिहार)' का 'ठाकुर' था।

→ इन्हे 'बिहार का सिंह' तथा 'वृद्ध सिंह' कहा जाता है।

→ यह जगदीशपुर के उज्जैनीय राजपूत घराने के ठाकुर थे।

→ इन्होने 80 वर्ष की उम्र में अंग्रेजो से बगावत की।

→ यह 'आयर' तथा 'टेलर' की सेना से पराजित हुए।

→ 1966 मे इनके नाम पर डाक टिकिट जारी किया गया।

→ मृत्यु → जगदीशपुर मे।

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

⇒ लियाकत अली ⇒

→ इसने इलाहबाद मे विद्रोह किया।

→ कर्नल नील ने विद्रोह करने वाले भारतीय हिन्दू सैनिको को दफन करा दिया तथा मुस्लिम सैनिको को जलवा दिया।

⇒ 1857 की क्रांति के परिणाम ⇒

→ ईस्ट इण्डिया कम्पनी का शासन समाप्त हुआ तथा ब्रिटीश ताज का शासन शुरु हुआ।

→ विक्टोरिया को भारत की महारानी घोषित किया गया।

→ कैनिंग को ब्रिटीश भारत का पहला वायसराय नियुक्त किया गया।

→ रियासतो के विलय की नीति त्याग दी गई।

→ अब अंग्रेजो ने Diuide & Rule की नीति अपनाई।

→ अंग्रेजो ने क्रांतिकारियो का साथ देने वाली जातियो को "गैर-सैनिक वर्ग" मे रखा।

→ क्रांति के बाद 'पील कमीशन' की सिफारिश पर ब्रिटीश सेना में भारतीय तथा यूरोपीय सैनिको का अनुपात बदला गया।

यह अनुपात पहले 5:1 था बाद मे बंगाल में 2:1 तथा बाम्बे में यह 3:1 कर दिया गया।

→ भारतीयो के धार्मिक मामलो मे हस्तक्षेप की नीति त्याग दी गई।

⇒ क्रांति पर पुस्तके ⇒

1. V. D. सावरकर → "The First War of Indian Independance"

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner

2. Ashok Mehta → "The Great Rebellion"

3. S. N. Sen → "Eighteen Fifty Seven"

4. R. C. Majumdar → "Sepoy Mutiny & The Revolt of 1857."

⇒ क्रांति का स्वरूप ⇒

1. सैनिक विद्रोह → (किसने कहा) लॉरेंस, शीले, T. R. होम्स, सर सैय्यद अहमद खाँ

2. राष्ट्रीय विद्रोह → डिजरायली, अशोक मेहता

3. सभ्यता तथा बर्बता के बीच युद्ध → T. R. होम्स

4. कट्टरपंथियो का ईसाई के विरुद्ध षड्यंत्र → रीज

5. हिन्दू व मुस्लमानो का षड्यंत्र → आउट्रम व टेलर

6. प्रथम स्वतंत्रता संग्राम → V. D. सावरकर

→ S. N. Sen (सरकारी इतिहासकार) के अनुसार, "यद्यपि इसे राष्ट्रीय संग्राम नही कहा जा सकता किन्तु इसे विद्रोह कहना भी गलत होगा क्योंकि यह केवल सैनिको तक सीमित नही था।"

→ R. C. मजूमदार, "यह न तो प्रथम था न राष्ट्रीय न ही स्वतंत्रता संग्राम।"

⇒ क्रांतिकारी ⇒

HC Choudhary - Mobile Apps

Scanned by CamScanner